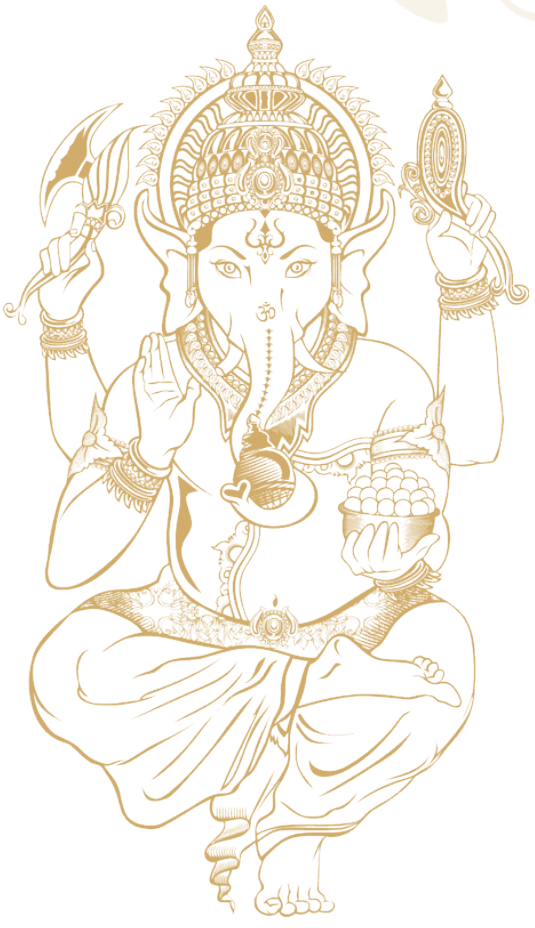

Vallabh

Gunjal birla

Model: Web-FreeMatching

Order No: 121599603

पुल्लिंग	लिंग	स्त्रीलिंग
03/05/1995	जन्म तिथि	01/04/2000
बुधवार	दिन	शनिवार
घंटे 06:17:00	जन्म समय	07:45:00 घंटे
घटी 00:30:14	जन्म समय(घटी)	03:11:32 घटी
India	देश	India
Nasik	स्थान	Chopda
20:00:00 उत्तर	अक्षांश	21:15:00 उत्तर
73:52:00 पूर्व	रेखांश	75:20:00 पूर्व
82:30:00 पूर्व	मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
घंटे -00:34:32	स्थानिक संस्कार	-00:28:40 घंटे
घंटे 00:00:00	ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
06:04:54	सूर्योदय	06:22:01
18:58:24	सूर्यास्त	18:43:19
23:47:40	चित्रपक्षीय अयनांश	23:51:23

विंशोत्तरी	अंश	राशि	ग्रह	राशि	अंश	विंशोत्तरी
मंगल 6वर्ष 5मा 8दि	20:49:21	मेष	लग्न	मेष	12:45:24	मंगल 1वर्ष 10मा 30दि
गुरु	18:20:56	मेष	सूर्य	मीन	17:48:14	गुरु
10/10/2019	24:24:08	वृष	चंद्र	कुंभ	03:01:03	01/03/2020
10/10/2035	27:04:32	कर्क	मंगल	मेष	12:45:12	01/03/2036
गुरु 27/11/2021	06:50:33	वृष	बुध	कुंभ	20:15:46	गुरु 19/04/2022
शनि 10/06/2024	20:05:45	वृश्चि व	गुरु	मेष	15:20:23	शनि 31/10/2024
बुध 15/09/2026	19:19:45	मीन	शुक्र	कुंभ	29:07:46	बुध 05/02/2027
केतु 22/08/2027	27:44:47	कुंभ	शनि	मेष	21:39:17	केतु 12/01/2028
शुक्र 22/04/2030	11:46:57	तुला व	राहु व	कर्क	07:20:24	शुक्र 12/09/2030
सूर्य 09/02/2031	11:46:57	मेष व	केतु व	मक	07:20:24	सूर्य 02/07/2031
चन्द्र 10/06/2032	06:40:40	मक	हर्ष	मक	25:48:22	चन्द्र 31/10/2032
मंगल 16/05/2033	01:44:57	मक व	नेप	मक	12:20:16	मंगल 06/10/2033
राहु 10/10/2035	05:54:46	वृश्चि व	प्लूटो व	वृश्चि	18:58:08	राहु 01/03/2036

लग्न-चलित

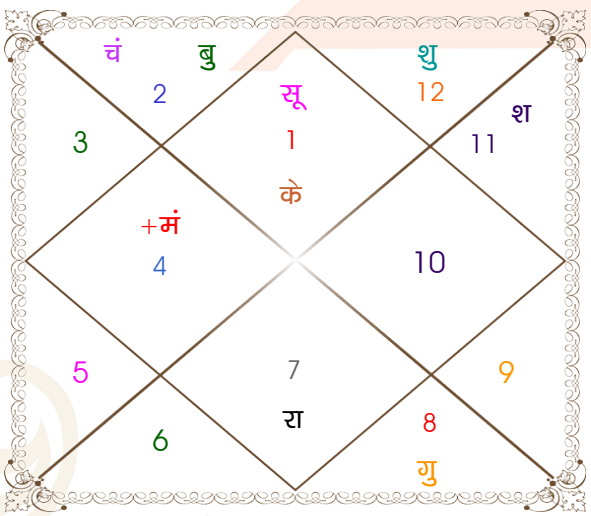

लग्न-चलित

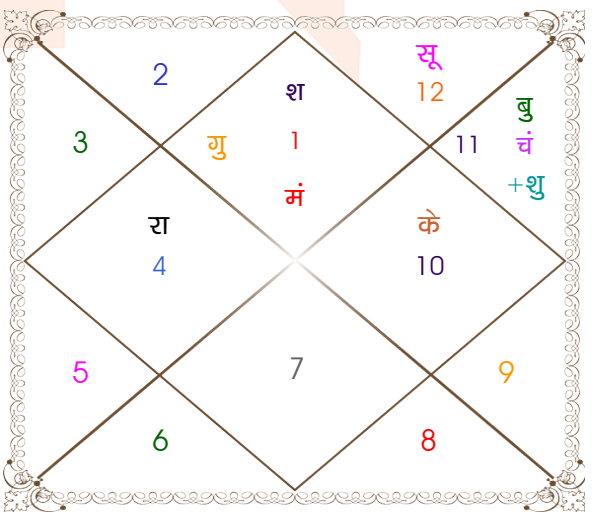

अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	वैश्य	शूद्र	1	1.00	--	जातीय कर्म
वश्य	चतुष्पाद	मानव	2	1.00	--	स्वभाव
तारा	जन्म	जन्म	3	3.00	--	भाग्य
योनि	सर्प	सिंह	4	2.00	--	यौन विचार
मैत्री	शुक्र	शनि	5	5.00	--	आपसी सम्बन्ध
गण	देव	राक्षस	6	1.00	--	सामाजिकता
भकूट	वृष	कुम्भ	7	7.00	--	जीवन शैली
नाड़ी	मध्य	मध्य	8	0.00	हाँ	स्वास्थ्य/संतान
कुल :			36	20.00		

नाड़ी दोष कष्टदायक नहीं है क्योंकि Vallabh का नक्षत्र मृगशिरा है।

Vallabh का वर्ग मृग है तथा Gunjal birla का वर्ग मार्जार है। इन दोनों वर्गों में परस्पर मित्रता है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार Vallabh और Gunjal birla का मिलान औसत है।

मंगलीक दोष मिलान

Vallabh मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में चतुर्थ भाव में स्थित है।

चतुः सप्तमे भौमो मेषकर्कटे निग्रहः।
कुजदोषो न विद्यते।।

अर्थात् चतुर्थ तथा सप्तम भाव में यदि मेष या कर्क का मंगल हो तो कुजदोष समाप्त हो जाता है। क्योंकि मंगल Vallabh कि कुण्डली में चतुर्थ भाव में कर्क राशि में स्थित है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

भौमेः वक्रिणि नीचगृहे वाऽर्कस्थेऽपि वा न कुजदोषः।

अर्थात् यदि मंगल वक्री, नीच, अस्त का हो तो मंगल दोष नहीं होता है।

क्योंकि मंगल Vallabh कि कुण्डली में नीच का है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

Gunjal birla मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में प्रथम भाव में स्थित है।

अजे लग्ने व्यये चापे पाताले वृश्चिके स्थिते।

वृषे जाये घटे रन्ध्रे भौम दोषो न विद्यते।।

अर्थात् मेष राशि लग्न में, द्वादश में धनुराशि, चतुर्थ में वृश्चिक राशि, सप्तम में वृष राशि तथा अष्टम में कुम्भ राशि में मंगल स्थित हो तो मंगल दोष नहीं होता है।

क्योंकि मंगल Gunjal birla कि कुण्डली में प्रथम भाव में मेष राशि में स्थित है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

तनुधनुमदमायुर्लाभ व्ययगः कुजस्तु दाम्पत्यम्।
विघटयति तद् गृहेशो न विघटयति तुंगमित्रगेहेवा।।

यदि मंगल स्व राशि अथवा उच्च का हो तो मंगली दोष भंग हो जाता है।

क्योंकि मंगल Gunjal birla कि कुण्डली में स्वराशि में है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

कुजजीवो समायुक्तो युक्तो व कुजचन्द्रमा।
न मंगली मंगल राहु योग।

यदि मंगल-गुरु या मंगल-राहु या मंगल-चंद्र एक राशि में हों तो मंगली दोष भंग हो जाता है।

क्योंकि मंगल एवं गुरु Gunjal birla कि कुण्डली में एक राशि में हैं अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

शनिभौमोऽथवा कश्चित् पापो वा तादृशो भवेत्।
तेष्वेव भवनेष्वेव भौमदोषविनाशकृत्।।

यदि एक की कुंडली में जहां मंगल हो उन्हीं स्थानों पर दूसरे की कुंडली में प्रबल पाप ग्रह (राहु या शनि) हों तो मंगलीक दोष कट जाता है।

क्योंकि राहु Gunjal birla कि कुण्डली में चतुर्थ भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

त्रिषट् एकादशे राहू त्रिषट् एकादशे शनिः।
त्रिषट् एकादशे भौमः सर्वदोषविनाशकृत्।।

वर या कन्या की कुंडली में से एक मंगलीक हो और दूसरे की कुंडली में 3,6,11 वें भावों में राहु, मंगल या शनि हो तो मंगलीक दोष समाप्त हो जाता है।

क्योंकि शनि Vallabh कि कुण्डली में एकादश भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

Vallabh तथा Gunjal birla में मंगलीक मिलान ठीक है।

निष्कर्ष

अष्टकूट एवं मंगलीक दोष न होने के कारण दोनों का मिलान उत्तम हैं।